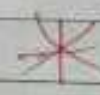


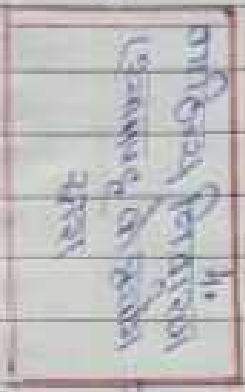
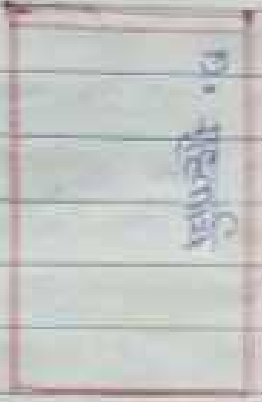
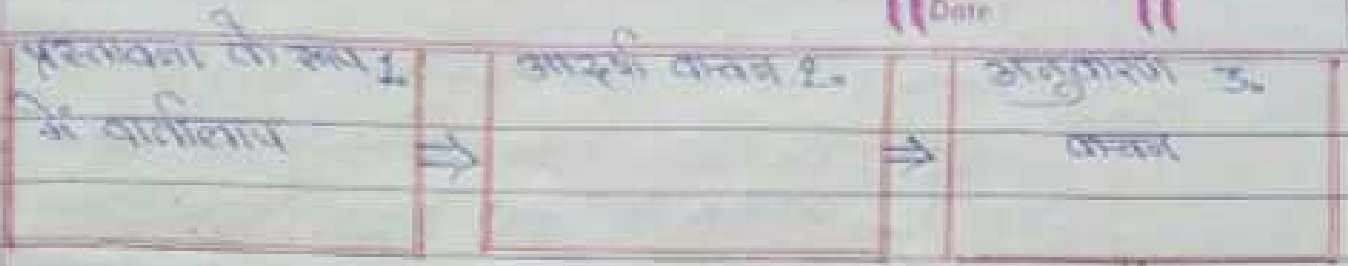
इस प्रकार कारखानों का पड़ोसमानता के अंतर्गत कई छोटे-छोटे अंशों के द्वारा भाषाई विकास के प्रति खींच जाकर उसके कुछ साथ-साथ कई ऐसे गतिविधियों में आदिनायकी को सम्मिलित किया जाता है

जिनका आधार पड़ोसवादी या पड़ोसमानता होती है, जो कई ज्ञान-विज्ञान के विषयों एवं अनुभवों से आदिनायकी को जोड़ती चली जाती है, और पड़ोसवादी के अर्थपूर्ण -

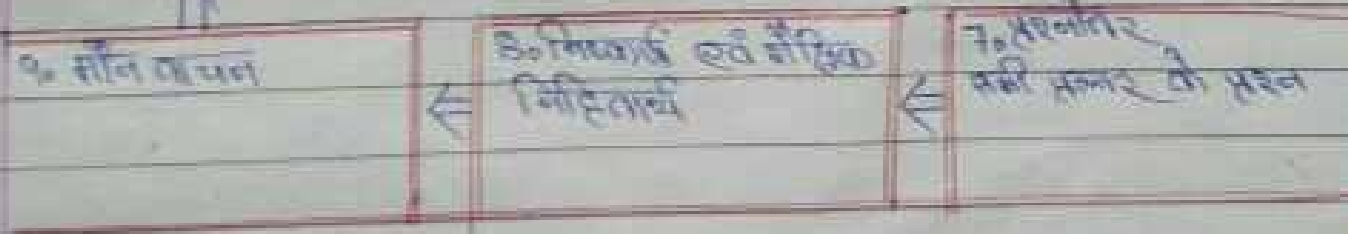
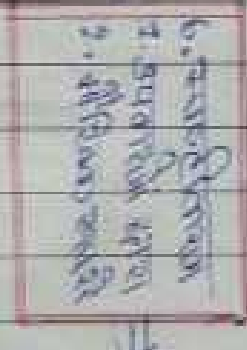
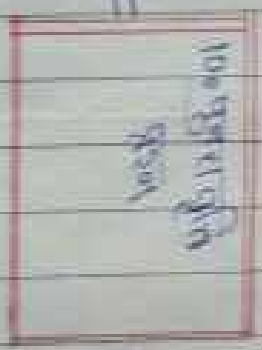
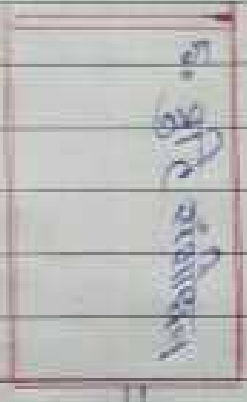
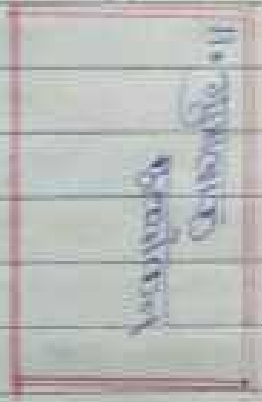
अर्थपूर्ण से आदिनायकी का भाषा पर अधिकार भी होने लगता है, वे भाषा के विकास को समझने लगते हैं, जिन अर्थों से वे परिचित हों, अर्थात् वे उनके विषय को जानते हैं।

अतः समाज एवं राजनीति के आधार पर कारखानों का पड़ोसमानता विचारधारा को अनेकों ऐसे अवसर प्रदान करती है जो विषय ज्ञान के साथ-साथ भाषाई स्तर पर भी उन्हें परिचित कराते हैं।





अंतर्गत प्रमाणों की जांच



एवं वृद्धि गतिविधि में सम्मिलित होने के अवसर
 में देनी है, राजनीति के तहत अद्यतन यह
 में निर्धारित करते हैं कि अल्पसंख्यक समाज में
 विषय की व्याख्या, विद्यार्थी समाज की जंम
 अवसर, पाठ्यक्रम की गतिविधि, समाजों की पहचान
 विषय, इन समाजों को ध्यान में रखते हुए
 उसके अधिकतम सम्बन्ध हेतु विषय-विषय सूची
 में कार्य करने हैं, स्पष्टतापूर्ण सूची विषय सूची को
 सरल एवं समीकृत रूप में स्पष्ट करने के साथ-
 साथ विद्यार्थियों के साथ, शिक्षक एवं सुविधा
 (वाक्य) शिक्षक में वृद्धि करने का भी प्रयास
 किया जाता है, वाक्यों को जटिलता को दाला के
 साथ-साथ विचारों की माध्यमिकीकरण के
 विकास में भी साक्ष्यक होते हैं, यह स्पष्टतापूर्ण
 उपकरणों की सम्बन्ध में एवं अधिकतम रूप से
 शैली सूची में होते हैं, स्वतंत्रता जहाँ कक्षा की
 गतिविधि की जांच की जाती है वही विद्यार्थी
 अपनी शक्ति को अधिकतम रूप में समाज से रखना
 भी सीखते हैं व पूर्ण रूप से सरल के अन्त में
 की तथा कार्य करने नजर आती है, इस
 सूची सूची सूचिका में प्रकाश व परीक्षा
 रूप में कार्य करने नजर आती है, व्याख्या-
 काय पाठ्यक्रम की प्रकृतिकरण की सूचिका में
 निम्नलिखित सौजन्य अवधि में निम्न ही संदर्भ है-

